

श्रीकृष्णार्चना ठाकुर

I निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

1. कवि किससे और क्या प्रार्थना कर रहा है?
- 30 कवि ईश्वर से प्रार्थना कर रहा है कि वे विपत्ति का सामना करने के लिए शक्ति प्रदान करें। निर्भयता का वरदान दें ताकि वह संघर्षों से विचलित न हो। वह अपने लिए सहायक नहीं आत्मबल और पुरुषार्थ चाहता है। सात्वत दृष्टि नहीं बढ़ादूरी चाहता है। वंचना, निराशा और दुखों के बीच प्रभु की कृपा शक्ति और सत्ता में आत्म-विश्वास का भाव चाहता है।

2. कवि सहायक न मिलने पर क्या प्रार्थना करता है?

- 30 कवि जीवन संघर्ष में सहायक न मिलने पर ईश्वर को कोई दोष नहीं दे रहा है, बल्कि प्रभु से प्रार्थना कर रहा है कि विपत्ति में उसका बल और पौरुष न हिले यदि समस्त संसार भी उसके साथ धोखा करें तो भी उसका आत्मबल और विश्वास न डिगें। वह सादस और दृढ़ता से आपदाओं को कुचल दे।

3. अंत में कवि क्या अनुनय करता है?

- 30 अंत में कवि ईश्वर से यह अनुनय करता है कि मुख के समग्र विनत होकर हर पल ईश्वर के मुख की ध्यान में रख सके, ईश्वर स्मरण कर सके तथा दुख रूपी रात्रि में जब संपूर्ण विश्व उसे अकेला छोड़ दे और अवेष्टित करे, उस समय उसे अपने प्रभु पर, उनकी शक्तिशाली परतनिक भी संदेह न हो। उसकी प्रभु पर आस्था बनी रहे।

4. भाव स्पष्ट कीजिए:

(क) नत शिर होकर सुख के दिन में
तब मुख पहचानूँ दिन-दिन में।

उ०- कवि चाहता है कि हमें ईश्वर को हर क्षण में याद रखना चाहिए। प्रायः मनुष्य दुःख में तो ईश्वर को याद करते हैं परंतु सुख में भूल जाते हैं। हमें सुख के प्रत्येक पल में परमात्मा को अहसास करना चाहिए, उन्हें स्मरण रखना चाहिए। प्रायः लोग सुख में परमात्मा को भूल जाते हैं। वे अपनी शक्ति पर घमंड करने लगते हैं। कवि की कामना है कि वह ऐसे घमंड से बचा रहे।

5. 'आत्मप्राण' कविता हमें क्या संदेश देती है?

उ०- आत्मप्राण कविता हमें यह संदेश देती है कि हमें ईश्वर से दुखों से छुटकारा पाने की बजाय उन दुखों को सहन करने की शक्ति माँगनी चाहिए। दुखों से न भागकर उनका उल्टकर सामना करना चाहिए। सदा आशावादी दृष्टिकोण रखना चाहिए। सुख के क्षणों में भी ईश्वर को नहीं भूलना चाहिए उसे याद करके समस्त विनय भाव प्रकट करना चाहिए। उससे निडरता, शक्ति और आस्था का वरदान लेना चाहिए।

टोपी शुक्ला

I निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए:

1. इफ्फन की दादी अपने पीछर क्यों जाना चाहती थी?

उ० इफ्फन की दादी पीछर इसलिए जाना चाहती थी क्योंकि वे जमींदार परिवार की बेटी थीं। उनके पीछर में दही, दूध व दही की बरमार थी। उन्होंने शादी से पहले पीछर में खूब दूध-दही खाया था। बाद में वे लखनऊ के मौलवी से ब्याही गई थी जहाँ उन्हें अपनी मौलवी पति के निग्रह में रहना पड़ता था। पीछर जाने पर वे स्वतंत्र अनुभव करती थीं, और लपड़-शपड़ जी भर कर दूध-दही खाती थीं।

इसी कारण उनका मन हर समय पीछर जाने की तरफ़ था।

३. 'अम्मी' शब्द सुनकर टोपी के घरवालों की बचा प्रतिक्रिया हुई।

उ० टोपी शुक्ला के घरवाले उद्बुद्ध होने के साथ-साथ कट्टर हिंदू भी थे। 'अम्मी' शब्द मुसलमानों के घर में इस्तेमाल होता है किंतु जब टोपी शुक्ला के मुख से 'अम्मी' शब्द सुना गया तब घरवालों के होश उड़ गए। उनकी परंपराओं की दीवार डोलने लगी। उनका धर्म संकट में पड़ गया। उनकी की छाँखे टोपी के चेहरे पर जम गई कि उनकी संस्कृति के विपरीत यह शब्द घर में कैसे उठा गया। जब टोपी ने बताया कि यह उसने अपने दोस्त इफ्फन के घर से सीखा है तो उसकी माँ व दादी ने उसकी खूब जमकर पिटाई की।

३. टोपी ने इफ्फन से दादी बदलने की बात क्यों कही।

उ० टोपी की दादी का स्वभाव अच्छा न था। वह हमेशा टोपी को डाँटती-फटकारती थी व कभी भी उससे प्यार से बात न करती थी। टोपी की दादी परंपराओं से बँधी होने के कारण कट्टर हिंदू थी। वे टोपी को इफ्फन के घर जाने से रोकती थी। दूसरी ओर इफ्फन की दादी बहुत नरम स्वभाव की थी जो बच्चों पर क्रोध करना नहीं जानती थी। इसी स्नेह के कारण टोपी इफ्फन से अपनी दादी बदलने की बात करता है। उनकी बोली भी टोपी को अच्छी लगती थी।

४. इफ्फन की दादी के देहांत के बाद टोपी को उसका घर खाली - सा क्यों लगने लगा?

उ० इफ्फन की दादी स्नेहमयी थी। वह टोपी को बहुत बुलार करती थी। टोपी को भी स्नेह न अपनत्व की जरूरत थी। टोपी जब भी इफ्फन के घर जाता था, वह अधिकतर उसकी दादी के पास बैठने की कोशिश करता था क्योंकि उस घर में वही उसे सबसे अच्छी लगती थी। दादी के देहांत के बाद टोपी के लिए वहाँ कोई न था। टोपी को वह घर खाली लगने लगा क्योंकि इफ्फन के घर का केवल

5. कवि सहायक न मिलने पर कवि की क्या प्रार्थना है?

उ० सहायक न मिलने पर भी कवि का बल व पौरुष कायम रहना चाहिए व संघर्ष करने की शक्ति होनी चाहिए।

PORTION

पाठ

1. कारतूस

पद्या

1. आत्मव्यापार

संन्यसन

2. टोपी शुभला

कारतूस

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए:

1. वज़ीर अली से सिपाही क्यों तंग आ चुके थे,
30: सिपाही वज़ीर अली से तंग आ चुके थे क्योंकि
हफ्ते से डेरा डालने और उसे ढूँढने के बावजूद भी
वज़ीर अली पकड़ा नहीं जा रहा था। वे जंगल में रहते-रहते
परेष्ठान हो चुके थे।
2. सवार ने क्यों कहा कि वज़ीर अली की गिरफ्तारी
बहुत मुश्किल है?
30: सवार ने ऐसा इसलिए कहा क्योंकि सवार स्वयं
वज़ीर अली था। वह एक जाँबाज सिपाही था जिसे अंग्रेज़
अधिकारी साधारण सवार समझ रहे थे। कर्नल के साथ
पूरी कौज़ थी फिर भी सवार ने ऐसा कहा क्योंकि उसे
कर्नल के खैमे में कोई भी पहचान नहीं पाया था।
3. शआदत अली कौन था? उसने वज़ीर अली की पैदाइश को
अपनी मौत क्यों समझा?
30: शआदत अली अवध के नवाब आसिफ़उद्दौला का भाई
और वज़ीर अली का चाचा था। आसिफ़ अली को जब तक
संतान न थी तब तक शआदत अली के अवध का नवाब
बनने की पूरी संभावना थी लेकिन वज़ीर अली के पैदा होते
ही उसका सपना टूट गया उसे अपनी नवाबी ख़तरे में

लगने लगी। अतः उसने वज़ीर अली की पैदाइश को अपनी मौत समझा।

4. सवार के जाने के बाद कर्नल क्यों हक्का - बक्का रह गया ?
उ० सवार के जाने के बाद कर्नल इसलिए हक्का - बक्का रह गया। क्योंकि उसे पता चल गया कि यह सवार ही वज़ीर अली था। जिस सवार को वह साधारण - सा सिपाही समझ रहा था और उसकी सहायता से वह वज़ीर अली को गिरफ्तार करने का सपना देख रहा था। कर्नल की नज़रों में वज़ीर अली बहुत खतरनाक व्यक्ति था। वह उसे मूर्ख बनाकर उससे दस कारतूस भी ले गया था और कर्नल कुछ भी नहीं कर पाया।

5. वज़ीर अली एक जाँबाज़ सिपाही था, कैसे ? स्पष्ट कीजिए।
उ० वज़ीर अली सचमुच एक जाँबाज़ सिपाही था। वह बहुत हिम्मी और साहसी था। उसे अपना लक्ष्य पाने के लिए जान की बाजी लगानी आती थी। जब उससे अवध की नवाबी ले ली गई तो उसने अंग्रेजों के विरुद्ध संघर्ष करना शुरू कर दिया। उसने कंपनी के कमील की हत्या कर डाली। उसके बाद आजमगढ़ और गोरखपुर की जंगलों में भटकता रहा। वहाँ भी निडर होकर अंग्रेजों के कैंप में घुस गया था। उसके जाँबाज़ सिपाही होने का परिचय उस घटना से मिलता है जब कैंप से कारतूस लेने में शकल हो जाता है।